B.A Part II Hons. Paper 3rd. (1)

Dr Tapati Mukerji.
Associate Prof.
H.OD in Music
Rohtas Mahila College

रागो का तुलनात्मक अध्ययन

राग बहार तथा मियाँमल्हार

समानता :

(1) राग मियाँमल्हार तथा बहार दोनो ही प्रचलित राग है, प्राचीन किसी भी ग्रन्थो मे इनका वर्णन नहीं पाया जाता है।

(2) दोनो राग ही काफी थाट से उत्पन्न है।

(3) दोनो रागो मे ही गांधार तथा निषाद स्वर कोमल प्रयोग होता है।

(4) दोनो रागो के आरोह मे धैवत स्वर वर्जित होने के कारण दोनो रागो के जाति षाड़व है।

(5) दोनो राग ही मौसमी राग है। बहार बसन्त ऋतु मे तथा मियाँमल्हार वर्षा ऋतु मे किसी भी समय गाया बजाया जाता है।

(6) वैसे मे दोनो रागो का गायन समय मध्यरात्रि है।

(7) राग बहार मे वादी स्वर मध्यम तथा सम्वादि स्वर षड़ज है। मियाँमल्हार मे भी सर्वसम्मति से मध्यम तथा षड़ज को ही माना गया है।